केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 25 बुधवार 14 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

डाक्टर आन्दोलित: जारी रहेगी हड़ताल

नई दिल्ली (आभा)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जूनियर डॉक्टर की हत्या के बाद देशभर के चिकित्सकों में उबाल है। पूरे देश में चिकित्सक सुरक्षा और संरक्षा की मांग को लेकर हड़ताल कर रहे हैं। इस बीच फेडरेशन ऑफ रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) ने हड़ताल जारी रखने का एलान किया है।

फोर्डा की ओर से बयान जारी किया गया है कि अब तक केंद्रीय स्वास्थ्य देखभाल संरक्षण अधिनियम पर हमें कोई आश्वासन नहीं दिया गया। साथ ही हमसे बातचीत के लिए भी कोई नहीं आया। फोर्डा की ओर से कहा गया कि हमारी मांगें अभी भी अधूरी हैं. जब तक उनकी बात पूरी तरह से मान नहीं ली जाती, तब तक हड़ताल जारी रखेंगे।

बता दें कि फोर्डा ने केंद्रीय गृहमंत्री को पत्र लिखकर सुरक्षा की मांग की थी। फोर्डा ने केंद्रीय गृहमंत्री को पांच मांगों को लेकर पत्र लिखा था। इसमें पहली मांग रेजीडेंट डॉक्टरों को सुविधा देने की है। दूसरी मांग आरजी कर मेडिकल कॉलेज के जिम्मेदार अधिकारियों का इस्तीफा लिया जाए। इसमें प्रिंसिपल, एमएसवीपी, डीन, पल्मोनरी मेडिसिन के एचओडी, आरजी कर के एमसी एंड एच पुलिस चौकी के एसीपी शामिल हैं। क्योंकि ये सभी ड्यूटी पर तैनात एक डॉक्टर की गरिमा की रक्षा नहीं कर सके। डॉक्टरों ने तीसरी मांग की है कि डॉक्टरों के साथ पुलिस क्रूरता बंद की जाए। चौथी मांग मृतका को त्वरित न्याय दिलाया जाए। इसके अलावा स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल और विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाए।

जूनियर डाक्टरों की हड़ताल से सेवायें प्रभावित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोलकाता में डॉक्टर की हत्या के विरोध में मंगलवार को मेडिकल कॉलेज बस्ती की चिकित्सा इकाई ओपेक चिकित्सालय कैली में जूनियर डॉक्टर, इंर्टन एमबीबीएस और रेजीडेंट डॉक्टरों ने विरोध किया। घटना को लेकर नारेबाजी की और सख्त कार्रवाई के लिए मांग उठाई।

डॉक्टरों के हड़ताल करने से मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा सेवाएं प्रभावित हैं। डॉक्टर पर्चा बनाने से लेकर अन्य चिकित्सीय कार्य का विरोध कर रहे। इससे हालत बिगड़ गए हैं। चिकित्साधिकारियों और एमबीबीएस छात्रों के बीच बहस हो रही है। सभी डॉक्टर धरने पर बैठकर नारेबाजी भी किए। इससे माहौल गरम हो गया है। बता दें कि बंगाल में रेजीडेंट डॉक्टर की हत्या कर दी गई थी, उसके विरोध में पूरे देश के डॉक्टर विरोध में उतर गए हैं। उसका असर बस्ती में दिख रहा है। सोमवार को काली पट्टी बांधकर विरोध किए थे, वहीं मंगलवार को एमबीबीएस छात्र, रेजीडेंट डॉक्टर धरने पर बैठ गए।

विभाजन की विभीषिका पर संगोष्ठी 14 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व के दिशा निर्देश पर 'विभाजन की विभीषिका स्मृति दिवस पर संगोष्ठी' 14 अगस्त को दिन में 12.30 बजे, से हरि मैरेज हाल निकट रोडवेज मालवीय रोड बस्ती' संगोष्ठी' का आयोजन किया गया है। यह जानकारी देते हुये भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने बताया कि कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमापति राम त्रिपाठी के साथ ही अनेक विद्वतजन हिस्सा लेंगे।

प्रसूताओं की जान बचाने के लिये आशा बहुओं ने किया डीएम के पहल का स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला महिला चिकित्सालय बस्ती मे गत 26 जुलाई को भर्ती सभी प्रसूताओं की तबियत खराब होने पर जिला अधिकारी रबीश गुप्ता द्वारा रात में स्वयं पहुंच कर यथास्थित को सम्हालते हुए नवजात शिशुओं के सर से मां का साया उठने से बचाया। उनकी इस पहल के लिये मंगलवार को आशा बहू स्वास्थ्य सीमित उत्तर प्रदेश बस्ती मण्डल के पदाधिकारियों ने मण्डल महामंत्री नीलम शुक्ला, मण्डल उपाध्यक्ष कंचन राव, मण्डल मंत्री स्वेता पान्डेय, मण्डल संरक्षक सुभाष चंद्र उपाध्याय के साथ डीएम को पुष्प गुच्छ, अंग बस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

आशा बहुओं ने कहा कि जिलाधिकारी की पहल से अनेक माताओं और नवजात शिशुओं की जान बच गई। डीएम ने एक संवेदनशील अधिकारी होने का दायित्व निभाया। उनकी भूमिका सराहनीय है।

हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद नहीं किया बहाल:शिक्षिका ने लगाया डीएम से न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश के बावजूद विकास खण्ड बस्ती सदर के कम्पोजिट विद्यालय तकिया डारीडीहा से निलम्बित प्रभारी प्रधानाध्यापिका सुमन को पुनः पद स्थापित नहीं किया जा रहा है। शिक्षिका सुमन ने जिलाधिकारी को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर आग्रह किया है कि उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश के अनुरूप उन्हें कम्पोजिट विद्यालय तकिया डारीडीहा में प्रभारी प्रधानाध्यापिका के रूप में तैनात किये जाने के साथ ही अगस्त माह के पूर्व का बकाया वेतन उपलब्ध कराया जाय।

डीएम को भेजे पत्र में शिक्षिका सुमन ने कहा है कि वर्तमान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने मनगढन्त आरोप को लेकर दुर्भावना वश उन्हें निलम्बित कर दिया था। स्थानीय स्तर पर जब उन्हें बहाल नहीं किया गया तो उन्होने उच्च न्यायालय इलाहाबाद में अपील किया। उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को स्पष्ट आदेश दिया है कि उन्हें बहाल कर सभी सुविधायें पूर्ववत उपलब्ध करायी जाय। आदेश के बावजूद बीएएसए स्तर पर उन्हें अभी तक पूर्व पद पर बहाल नहीं किया गया है इससे उसका परिवार घोर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। शिक्षिका सुमन ने डीएम से आग्रह किया है कि नियमानुसार उन्हें बहाल कराया जाय।

टेन्ट कैटर्स एण्ड डेकोरेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक में बनी द्वितीय महाधिवेशन की रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती टेन्ट कैटर्स एण्ड डेकोरेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के जिला व्यापारी कार्यकारिणी की बैठक ब्लाक रोड स्थित होटल महारानी के सभागार में जिलाध्यक्ष राजेश कैटर्स की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में लखनऊ के इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में आगामी 1 से 3 सितम्बर तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय द्वितीय महाधिवेशन की तैयारियों और सहभागिता पर विचार किया गया।

उ.प्र. टेन्ट कैटर्स एण्ड डेकोरेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार ने बैठक में कहा कि द्वितीय महाधिवेशन में जमीनी मुद्दों पर विचार और रणनीति बनाने के साथ ही भव्य प्रदर्शनी भी आयोजित किया जायेगा। उन्होने कैटर्स एण्ड डेकोरेटर्स व्यवसाय से जुड़े लोगों का आवाहन किया कि वे तीन दिवसीय द्वितीय महाधिवेशन में अनिवार्य रूप से हिस्सा लें।

बैठक में मुख्य रूप से कीर्ति चौधरी, विनोद शुक्ल, राजू, कुलविन्दर सिंह जेम्स, राम बाबू श्रीवास्तव, अनिल सैनी, नागेन्द्र सिंह, सेन्की सचदेवा, सुनील चौधरी, राहुल सिंह, राजेश श्रीवास्तव, लाल बिहारी यादव के साथ ही टेन्ट कैटर्स एण्ड डेकोरेटर्स क्षेत्र के अनेक लोग उपस्थित रहे।

लेन देन के विवाद में शिवसेना के जिला उप प्रमुख विकास चौधरी पर जान लेवा हमला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुरानी रंजिश और लेन देने के मामले में शिवसेना के जिला उप प्रमुख विकास चौधरी पर जान लेवा हमले का मामला सामने आया है। मंगलवार को शिवसेना प्रमुख प्रमोद पाण्डेय के नेतृत्व में शिव सेना पदाधिकारियों ने पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर को पत्र देकर मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और विकास चौधरी एवं उनके परिजनों के जान माल के रक्षा की मांग किया गया।

पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर को दिये पत्र में विकास चौधरी ने कहा है कि वे वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के कल्यानपुर गांव के निवासी हैं, गांव के ही धर्मेन्द्र मौर्या पुत्र जयराम, लक्ष्मी देवी पत्नी धर्मेन्द्र आदि से पुरानी रंजिश चल रही है। इसे लेकर गत 10 अगस्त को कल्यानपुर प्राथमिक विद्यालय के पास पंकज चौधरी की कार पर धर्मेन्द्र मौर्या और उनके

–शिव सैनिकों ने सौंपा ज्ञापनः न्याय की मांग

परिवार के लोगों ने लाठी डण्डों से हमला बोल दिया। कार को विकास चौधरी चला रहे थे। इस दौरान गाडी की डिक्की तोडकर धर्मेन्द्र मौर्या आदि ने 25 हजार रूपया छीन लिया और विकास को मारा पीटा। विकास ने गाड़ी छोड़कर किसी तरह से अपनी जान बचाया। वाल्टरगंज पुलिस ने इस सम्बन्ध में धर्मेन्द्र मौर्या की तहरीर पर विकास चौधरी, विनोद चौधरी, सतीश चौधरी, कनिकराम गौतम के विरूद्ध बी.एन.एस. की धारा 115 (2), 352, 351 (2) और 351 (3) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है किन्तु विकास चौधरी का मुकदमा अभी तक पंजीकृत नहीं किया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर ने मामले की जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत चलाया स्वच्छता अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत भाजपा के वरिष्ठ नेता जगदीश प्रसाद शुक्ल के नेतृत्व में मंगलवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। टाउन क्लब स्थित आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की प्रतिमा की साफ सफाई करने के बाद मल्यार्पण किया गया। इसी क्रम में राजकीय इंटर कॉलेज के प्रांगण में स्थित मुंशी प्रेमचंद की प्रतिमा की भी साफ सफाई करके मल्यार्पण किया गया। जगदीश प्रसाद शुक्ल ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा महापुरुषों को याद कर उनकी प्रतिमाओं की साफ सफाई की जा रही है। कहा कि यह अभियान देशभक्ति और राष्ट्रीय पहचान की भावना को मजबूत करते हुए नागरिकों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए व्यापक अभियान है। इस अवसर पर डॉ वीरेंद्र त्रिपाठी, अरविंद श्रीवास्तव गोला, डॉक्टर वी के श्रीवास्तव, मोहम्मद अकरम, अर्जुन उपाध्याय, गौरव अग्रवाल, पंकज मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

प्रदीप चौधरी अध्यक्ष, मुकेश यादव महामंत्री घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ साऊंघाट ब्लाक की बैठक प्राथमिक विद्यालय अमौली के परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्व सम्मति से प्रदीप चौधरी को साऊंघाट ब्लाक का अध्यक्ष चुना गया। उन्होने अपने ब्लाक कार्यकारिणी की घोषणा किया जिसमें राम सूरत चौधरी ब्लाक संरक्षक, जमीरूल्लाह अंसारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मुकेश यादव महामंत्री, रमजान अली कोषाध्यक्ष, विजयभान चौधरी, मिश्रीलाल गुप्ता, श्रवण पाण्डेय, प्रेमचन्द चौधरी उपाध्यक्ष, विष्णुशरण तिवारी, अवधेश चौधरी, श्रीमती सुभावती चौरसिया संगठन मंत्री, बलिराम प्रवक्ता घोषित किये गये।

इसके अतिरिक्त राम दयाल, विश्वमूर्ति पाण्डेय, अवधेश, चन्द्र प्रकाश चौधरी, कुमेल अहमद, आलोक, राम निहोर चौधरी, इन्द्रजीत, त्रियुगीनाथ, सुभाष, श्रवण पाण्डेय को न्याय पंचायत प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। साऊंघाट ब्लाक का अध्यक्ष चुने जाने पर प्रदीप चौधरी ने कहा कि शिक्षा मित्रों को उनका अधिकार दिलाने के लिये हर संभव संघर्ष तेज किया जायेगा।

जल जमाव, गंदगी के विरोध में सपा नेता मो. हारिश ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी मुलायम सिंह यूथ ब्रिग्रेड के जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद हारिश के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद के वार्ड नं. 8 तुरकहिया के नागरिकों ने जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन उनके प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि तुरकहिया मोहल्ले के स्काउट भवन के पीछे जल जमाव को हटवाने, नालियों की सफाई के साथ ही दयनीय हो चुकी सड़क को आने–जाने लायक बनाया जाय।

ज्ञापन देने के बाद सपा नेता मोहम्मद हारिश ने बताया कि बरसात के मौसम में मोहल्ले में आवागमन कठिन हो गया है, आये दिन लोग घायल होते हैं। नगर पालिका प्रशासन इस दिशा में चुप्पी साधे हुये हैं। मोहल्ले में व्याप्त गंदगी के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होने तत्काल प्रभाव से मोहल्ले में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने की मांग किया।

डीएम के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से मोहम्मद तैय्यब, निहाल सिद्दीकी, आलोक गौड़, हर्षित उपाध्याय, तनवीर अहमद, जावेद खान, सचिन कुमार, अरशद, नीरज, श्रेष्ठ सिंह, शम्नू, शाद, पिन्टू आदि शामिल रहे।

याद किये गये काकोरी काण्ड के अमर शहीदः छात्रों को दिया जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहादुरपुर विकास खण्ड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय अगई भगाड में काकोरी रेल एक्शन काण्ड के अमर शहीदों अशफाक उल्ला खां, रामप्रसाद बिस्मिल, रोशन सिंह को याद करने के साथ ही छात्र–छात्राओं को विस्तार के साथ स्वंतत्रता संग्राम आन्दोलन की जानकारी दी गई। प्रधानाध्यापक राजीव उपाध्याय के संयोजन में विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। वीर अमर सपूतों को याद करते हुए विद्यालय के बच्चों के द्वारा प्रभातफेरी निकाली गई और वीर सपूतों के जयकारों से क्षेत्र गुंजायमान हो गया।

छात्रों को काकोरी काण्ड की विस्तार से जानकारी देते हुये राजीव उपाध्याय ने बताया कि यही वह दिन था जब भारत के स्वतंत्रता सेनानियों ने पहली बार अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दिया था। काकोरी काण्ड से स्वतंत्रता आन्दोलन के लिये संघर्ष कर रहे सेनानियों ने स्पष्ट संकेत दे दिया था कि अंग्रेज भारत छोड दे।

कार्यक्रम में सृष्टि, विक्की, चंदन, दिवाकर, सीमा आदि ने काकोरी कांड पर भाषण, निबंध और नाटच मंचन की शानदार प्रस्तुति दिया।

कार्यक्रम में विद्यालय परिवार की सहायक अध्यापिका संध्या गुप्ता, शिक्षा मित्र कुसुम देवी, उषा सिंह आदि ने योगदान दिया।

मुख्यमंत्री के साथ शिष्टाचार भेंट में पूर्व विधायक संजय प्रताप ने किया सल्टौआ और मानिकचंद को नगर पंचायत घोषित करने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रूधौली के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें जनपद और रूधौली क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराने के साथ ही उनके प्रभावी निराकरण का आग्रह किया।

पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने यहां प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि मुख्यमंत्री से क्षेत्र के विकास एवं समस्याओं तथा कई आवश्यक विषयों पर वृहद चर्चा हुई। उन्हें मांगों के समर्थन में पत्र भी दिया जिसमें विधानसभा क्षेत्र 309 रूधौली के अन्तर्गत

–विकास कार्यों में भ्रष्टाचार की जांच कराने के साथ ही कोविड–19 कर्मचारियों को समायोजित करने का आग्रह

भानपुर तेनुआ असनहरा मार्ग करमहिया घाट होते हुए बभनान से अयोध्या मार्ग को स्टेट हाइवे के निर्माण हेतु आगणन मंगाकर वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने, भिरिया,शंकरपुर एवं हटवा में 33/11 के नये सब स्टेशन का निर्माण किये जाने, जनपद बस्ती में सरकारी क्रय केंद्रों पर किये गये फर्जी खरीद के सम्बन्ध जांच एवं कार्यवाही सल्टौआ एवं मानिकचंद को नगर पंचायत घोषित किये जाने एवं नगरपंचायत रूधौली के सीमा विस्तार के साथ ही कोविड–19 कर्मचारियों के भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए समायोजन एवं जनपद के स्वास्थ्य विभाग में हुए भ्रष्टाचार की जांच कराकर प्रभावी कार्यवाही का आग्रह किया गया है। पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री ने विकास और जनहित के सवालों को गंभीरता से लेने के साथ ही निस्तारण कराने का आश्वासन दिया है।

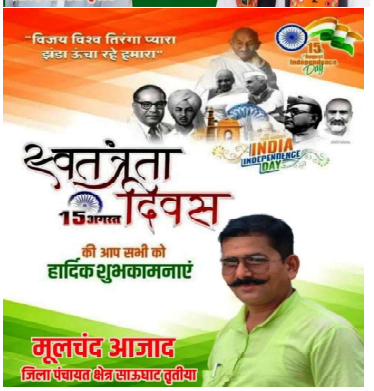

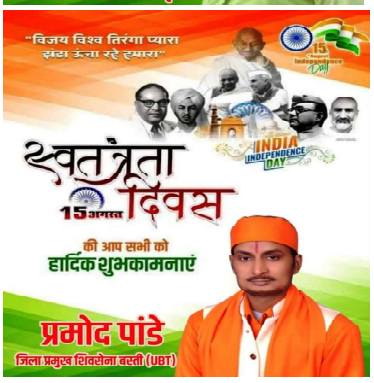

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 14 अगस्त 2024 बुधवार

सम्पादकीय

जलवायु परिवर्तन और खेती

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के चलते पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों से हमारी खाद्य शृंखला को खतरा पैदा हो गया है। मानसून के पैटर्न में बदलाव, घातक गर्मी की लहरों, समुद्री जलस्तर में वृद्धि तथा आये दिन आने वाले समुद्री तूफान कृषि उत्पादन के लिये संकट पैदा कर रहे हैं। इस बाबत इंटर गवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज की हालिया रिपोर्ट में खतरों के प्रति चेताया गया है। निश्चित रूप से जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों ने हमारे खेत–खलिहानों में दस्तक दे दी है, जिसका मुकाबला नई रणनीति बनाकर किया जा सकता है। आशंका जतायी जा रही है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से कृषि के क्षेत्र व फसलों की पैदावार में भारी कमी आ सकती है। खासकर छोटे किसानों के लिये यह संकट बड़ा है जो पूरी तरह से मानसूनी वर्षा पर ही निर्भर रहते हैं। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि इन विषम परिस्थितियों में पैदावार को अक्षुण्ण रखने के लिये विशेष उपक्रम किये जाएं। इस दिशा में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने एक दशक पहले जलवायु अनुकूल खेती में नवाचारों को लेकर अपनी परियोजना शुरू की थी। हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा कई अधिक उपज वाली जलवायु अनुकूल फसलों की किस्मों का शुभारंभ करना इसी कड़ी का हिस्सा है। इस बाबत सरकार का कहना है कि अधिक पैदावार वाली गेहूं के बीजों की किस्मों को सफलता पूर्वक तैयार करने के बाद जलवायु प्रतिरोधी बीजों के साथ धान का रकबा बढ़ाना उसकी प्राथमिकता है। निस्संदेह, इस विकट पर्यावरणीय चुनौती का मुकाबला हम निरंतर स्वदेशी समाधानों के जरिये ही कर सकते हैं। जिसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जा रही है। निस्संदेह, देश में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लिये चलाये जा रहे कार्यक्रमों की कोई कमी नहीं है,लेकिन जरूरत इस बात की है कि उपलब्ध संसाधनों के विवेकपूर्ण प्रबंधन को बढ़ावा दिया जाए।

निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों से कृषि उत्पादन को संरक्षण देने और किसानों के हितों की रक्षा के लिये संसाधनों का बेहतर उपयोग बेहद जरूरी है। इसके साथ ही जल स्रोतों का संरक्षण, वन क्षेत्र की रक्षा, मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसी योजनाओं के जरिये भूमि की उर्वरता बढ़ाने का उपक्रम भी करने की दरकार है। हमें खेती में कृत्रिम खादों के उपयोग में भी संयम बरतना चाहिये। इसी कड़ी में फसलों के विविधीकरण कार्यक्रम को भी गति देने की आवश्यकता है। इसके लिये किसानों को जागरूक और प्रोत्साहित करने की जरूरत है। यह सुखद है कि देश के कई राज्यों में व्यापक पैमाने पर जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। लेकिन इस कार्यक्रम को राष्ट्रव्यापी बनाया जाना चाहिये। इस दिशा में प्रोत्साहन योजनाएं किसानों का जैविक खेती अपनाने का मार्ग प्रशस्त कर सकती हैं। एक तथ्य यह भी कि इस दिशा में नई प्रौद्योगिकी तैयार कर लेने मात्र से ही समस्या का समाधान संभव नहीं है। जरूरत इस बात की है कि वैज्ञानिक अनुसंधानों को खेतों तक पहुंचाया जाए। किसान सहजता से उनका उपयोग करते हुए फसलों के संरक्षण को गति दे सके। दरअसल, किसान को व्यावहारिक रूप से संतुष्ट करना जरूरी भी है कि उसके लिये वास्तव में क्या उपयोगी है। देश में किसानों को जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिये देशव्यापी सहमति बनाने की जरूरत है। इसके लिये आधुनिक अनुसंधान के साथ ही अनुभवजन्य अध्ययन को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सही मायनों में इन प्रयासों को गति देने के लिये अनुसंधान हेतु पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने तथा खेती के लिये उपयोगी निष्कर्षों को किसानों तक पहुंचाने की भी जरूरत है। लगातार भयावह होते परिदृश्य में इस चुनौती को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में शामिल करने की आवश्यकता है। इस हकीकत को जानते हुए कि हम दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश हैं। एक बड़ी आबादी की सामाजिक सुरक्षा के लिये तमाम खाद्यान्न योजनाएं सरकारी अन्न भंडारों के जरिये चलायी जा रही हैं। जिसकी पूर्ति खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाकर ही की जा सकती है। यह तभी संभव है जब हमारी कृषि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का मुकाबला करने में सक्षम हो।

स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार

–प्रो. दरबारी लालपूर्व–

स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है और हम इसे हर हाल में लेकर रहेंगे। भारत के लासानी स्वतंत्रता सेनानी, प्रतिष्ठित राजनीतिज्ञ, विधिवेता और समाज सुधारक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने शेर की तरह दहाड़ते हुए अपने उक्त शब्दों से सदियों से गुलामी की जंजीरों में जकड़े हुए, विशाल संस्कृति एवं शूरवीरता को भुलाकर चादर तानकर सोए हुए भारतीयों में नए खून का संचार कर दिया। हकीकत में यह अंग्रेज हुकूमत के लिए एक चेतावनी ही नहीं बल्कि एक चुनौती भी थी। उनको कुछ अन्य केसों के साथ 6 वर्ष की कारावास में भेज दिया गया। उनके मुकदमे की पैरवी उस समय के प्रतिष्ठित बैरिस्टर मोहम्मद अली जिन्ना ने की थी। तिलक को भारत के राष्ट्रवाद का पितामाह कहा जाता है परंतु अंग्रेज उन्हें अशांति का पितामाह कहते थे।

जिस दिन महाराजा अशोक ने तलवार कमर से उतारकर जमीन पर रख दी, उसके परिणामस्वरूप ही देश विदेशी आक्रमणकारियों के लिए खुल गया। हूण, शक, यूनानी, ईरानीस दोरानी, मंगोल, तुर्क, पठान, अफगान, अंग्रेज, डच, फ्रांसीसी और पुर्तगालियों ने भी भारत के कुछ इलाकों पर कब्जा कर लिया। ईस्ट इंडिया कम्पनी के मुट्ठी भर अंग्रेज व्यापार करने के लिए भारत आए। परंतु हमारी कमियों और कमजोरियों को देखते हुए वह भारत के ही शासक बन बैठे। अंग्रेजों ने समूचे देश में एक ही प्रशासनिक व्यवस्था, एक ही न्यायिक व्यवस्था, एक तरह के कानून, एक तरह की करंसी और एक ही तरह की सरकारी सेवाओं का भी प्रबंध कर दिया था। पश्चिमी शिक्षा प्रणाली ने भारत में राष्ट्रवाद को स्थापित करने में बड़ी सहायता की।

अंग्रेजों ने भारत के अंदर कई स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटियां स्थापित कर दी थीं। इस पश्चिमी शिक्षा से भारतीयों को पश्चिम के चिंतकों, दानिशमंदों, दार्शनिकों और साहित्यकारों की पुस्तकें पढने का भी मौका मिला और इसी शिक्षा प्रणाली से प्रजातंत्र, स्वतंत्रता, समानता, भाईचारा, समाजवाद, साम्यवाद और बहुत सारी अन्य सूचनाएं उनको मिलने लगीं। अंग्रेजी भाषा सारे देश की लिंगउवा फरेंका बोलचाल की भाषा बन गई। जबकि पहले कई भाषाएं और उप–भाषाएं होने के कारण एक–दूसरे के विचारों को समझना मुश्किल होता था। वास्तव में अंग्रेजी भाषा ने ही सबसे पहले एक मंच पर लोगों को एकत्रित होने का मौका दिया और भारत में भविष्य की स्वतंत्रता की नींव रखी गई। अंग्रेजों ने भारत के अंदर रेलवे का जाल बिछा दिया। कृषि क्षेत्र को प्रफुल्लित करने के लिए नहरें निकालीं। पोस्टल और टैलीग्राफ सिस्टम प्रणाली की भी स्थापना की। इस तरह लोगों का आपस में मेल–जोल आसानी से होने लगा। स्वतंत्रता प्रैस की स्थापना से लोगों के विचार समाचारपत्र में पढने को मिलने लगे। राष्ट्रवाद के इस आंदोलन में अमृत बाजार पत्रिका, द बंगाली, दी ट्रिब्यून, द इंडियन मिरर, द हिन्दू, द पायोनियर, द मेड्रास मेल, द मराठा और केसरी समाचार पत्रों ने भारतीयों को अपने अधिकारों के प्रति खुलकर जागरूक करवाया।

19वीं शताब्दी हकीकत में एक बड़े उथल–पुथल का युग था। इसमें राजनीतिक, सामाजिक, आध्थक, धार्मिक और सांस्कृतिक तौर पर बहुत परिवर्तन होने लगे। राजा राम मोहन राय ने सती प्रथा के खिलाफ आवाज बुलंद की। स्वामी दयानंद ने सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आंदोलन चलाया। स्वामी विवेकानंद ने भारत की प्राचीन संस्कृति का विश्व में प्रचार करके इसके गौरव को बढ़ाया और भारतीयों में जागृति पैदा की। देश में कूका आंदोलन ने जोर पकड़ा, सिंह सभा आंदोलन शुरू हुए और 1885 में लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का भी जन्म हुआ। 1885 से 1905 तक उदारवादी नेताओं का बोलबाला रहा जिनमें दादा भाई नारोजी, सुरिंदर नाथ बनर्जी, फिरोज शाह मेहता, गोपाल कृष्ण गोखले और अन्य नेताओं ने भारतीयों की समस्याओं को अंग्रेजों के सामने समय–समय पर रखा। 1905 में अंग्रेजों ने बंगाल का सांप्रदायिकता के आधार पर बंटवारा कर दिया। इस तरह एक हिंदू बहुल और एक मुस्लिम बहुल प्रदेश बना दिए गए। बंगाल को पुनरू इकट्ठा रखने के लिए 1905 में लाला लाजपत राय, लोक मान्य तिलक और विपन चंद्र पाल ने देश में जबरदस्त आंदोलन चलाया। इन्हें 'लाल, बाल और पाल' के नाम से पुकारा जाता था। अंग्रेजों ने हिन्दू और मुसलमानों की एकता को देखते हुए 'फूट डालो और राज करो' की नीति को अपनाना शुरू कर दिया। भारत के गवर्नर जनरल लॉर्ड मिंटो के अलीगढ़ कालेज के प्रिंसिपल ने आगा खां के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल लेकर शिमला मिलवाया और मिंटो के इशारे पर राष्ट्रवाद की बढ़ती हुई शक्ति को कमजोर करने के लिए आगा खां से मुस्लिम लीग का 1906 में निर्माण करवा दिया ताकि मुसलमानों को हिन्दुओं से अलग रखा जाए।

पंजाब में भी किसानों ने आंदोलन चला दिया जिसके परिणामस्वरूप लाला लाजपत राय और शहीद–ए–आजम भगत सिंह के चाचा अजीत सिंह को देश निकाला दे दिया गया। गदरी बाबाओं के आंदोलन को भी सख्ती से कुचल दिया गया। 20 को फांसी की सजा, 58 को ताउम्र जेल और 60 के करीब को काले पानी की सजा दे दी गई। यह संगठन लाला हरदयाल ने अमरीका में स्थापित किया था। इसी तरह गुरदित्त सिंह के कामागाटामारू जहाज के यात्रियों को भी कड़ी सजा दी गई। आजादी के इन आंदोलनों को तो कुचल कर रख दिया गया। परंतु भारतीयों में आजादी की लहर जोर पकड़ती रही। 1915 में महात्मा गांधी ने भारत आकर आजादी की लहर को अपने हाथों में ले लिया। प्रथम विश्व युद्ध 1914 से 1918 में भारतीयों ने अंग्रेजों की सेनाओं में भर्ती होकर बड़ी कुर्बानियां दीं और सरकार ने यह वायदा किया कि लड़ाई समाप्त होने के बाद उन्हें जिम्मेदार सरकार दी जाएगी।

परंतु सरकार देने की बजाय अंग्रेजों ने रोलर एक्ट बना दिया जिसके बाद जलियांवाला बाग की घटना ने सारे देश को हिलाकर रख दिया। 1919 से पहले भारत अंग्रेजों के नियंत्रण में था और बाद में महात्मा गांधी के। महात्मा गांधी ने पहले असहयोग आंदोलन फिर अवज्ञा आंदोलन और 1929 में लाहौर में रावी नदी के किनारे पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा एक विशाल सम्मेलन में पूर्ण स्वतंत्रता की घोषणा की। 1930 में महात्मा गांधी ने डांडी मार्च में अंग्रेजों की लाठियां खाईं, 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के बाद अंग्रेजों ने देश छोडने का फैसला कर लिया। 1947 में देश को तो स्वतंत्रता मिल गई लेकिन इसे दो हिस्सों में बांट दिया गया–भारत और पाकिस्तान। बंटवारे के दौरान 10 लाख से ज्यादा लोग मारे गए। 2 करोड़ से अधिक लोगों को पलायन करना पड़ा और हकीकत में यह विश्व का सबसे बड़ा पलायन था। 1947 में स्वतंत्रता के बाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने देश के विकास, खुशहाली और सामाजिक भाईचारे की एक बड़ी मजबूत नींव रखी, जिस पर हम सबको आज गर्व है और भारत विश्व के देशों में एक बड़ा महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

भारत के उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार पटेल ने अपनी बुद्धिमता और दूरदर्शिता से 565 स्वतंत्र रियासतों को भारत में मिलाकर राष्ट्र का एकीकरण किया। उनके इस करारनामे के कारण उन्हें लौह पुरुष के नाम से पुकारा जाता है। हकीकत में राष्ट्र की स्वतंत्रता संघर्ष की धुरी केवल और केवल महात्मा गांधी ही थे। राष्ट्र को सुरक्षित रखने के लिए हम सब को स्वतंत्रता, समानता और आपसी भाईचारे के संदेश पर चल कर इसकी तरक्की में योगदान देना चाहिए। हकीकत में राष्ट्रवाद ने देश में भावनात्मक एकता को जन्म दिया और इसी भावना से देश को 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिली। हम सब स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों, काले पानी की सजा भुगतने वालों, अंग्रेजों की लाठियां खाने वालों और लाखों लोगों जो जेलों में गए, के सामने नतमस्तक हैं। देश की स्वतंत्रता में हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाइयों का योगदान अति प्रशंसनीय है। देश की स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए हमें सब धर्मों के लोगों का समान आदर करना होगा और सबको आगे बढने के समान मौके प्रदान करने होंगे। हिंसा की नीति को त्याग कर अहिंसक तरीके से अपनी समस्याओं का समाधान करना ही हमारा राष्ट्रीय धर्म है। राष्ट्र सदा–सदा के लिए सलामत रहे और हम भारतीय खुशहाली के पथ पर अग्रसर रहें।

भारत में आर्थिक प्रगति और संस्कार

– प्रहलाद सबनानी–

किसी भी देश में सत्ता का व्यवहार उस देश के समाज की इच्छा के अनुरूप ही होने के प्रयास होते रहे हैं। जब जब सत्ता द्वारा समाज की इच्छा के विपरीत निर्णय लिए गए हैं अथवा समाज के विचारों का आदर सत्ता द्वारा नहीं किया गया है तब तब उस देश में सत्ता परिवर्तन होता हुआ दिखाई दिया है। लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज के द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है और देश में शांति स्थापित करने के लिए भी समाज का विशेष योगदान रहता आया है। समाज में विभिन्न मत पंथ मानने वाले नागरिक ही यदि आपस में सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे तो देश में शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकेगी।

भारत के नागरिकों में आज "स्व" के भाव के प्रति जागृति दिखाई देने लगी है और वे "भारत के हित सर्वोपरि हैं" की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। अतः समाज के विभिन्न वर्गों के बीच यह जागरूकता फैलाने की आज महती आवश्यकता है कि भारत आज आर्थिक प्रगति के जिस मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है ऐसे समय में देश में शांति स्थापित करने की भरपूर आवश्यकता है। क्योंकि, देश में यदि शांति नहीं रह पाती है तो विदेशी संस्थान भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों को स्थापित करने के प्रति हत्तोत्साहित होंगे और देश की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होगी।

भारत पिछले लगभग 2000 वर्षों के खंडकाल में से अधिकतम समय (लगभग 250 वर्षों के खंडकाल को छोड़कर) पूरे विश्व में एक आर्थिक ताकत के रूप में अपना स्थान बनाने में सफल रहा है और इसे सोने की चिड़िया कहा जाता रहा है। वर्ष 712 ईसवी में भारत पर हुए आक्रांताओं के आक्रमण के बाद भी भारत की आर्थिक प्रगति पर कोई बहुत फर्क नहीं पड़ा था। परंतु, वर्ष 1750 ईसवी में अंग्रेजों (ईस्ट इंडिया कम्पनी के रूप में) के भारत में आने के बाद से भारत की आर्थिक प्रगति को जैसे ग्रहण ही लग गया था। आक्रांताओं एवं अंग्रेंजों ने न केवल भारत को जमकर लूटा बल्कि भारत की संस्कृति पर भी बहुत गहरी चोट की थी और भारत के नागरिक जैसे अपनी जड़ों से कटकर रहने लगे थे। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के पूर्व भी भारत पर आक्रमण हुए थे, शक, हूण, कुषाण आदि ने भी भारत पर आक्रमण किया था परंतु लगभग 2500 300 वर्षों तक भारत पर शासन करने के उपरांत उन्होंने अपने आपको भारतीय सनातन संस्कृति में ही समाहित कर लिया था। इसके ठीक विपरीत आक्रांताओं एवं अंग्रेजों का भारत पर आक्रमण का उद्देश्य भारत की लूट खसोट करने के साथ ही अपने धर्म एवं संस्कृति का प्रचार प्रसार करना भी था। आक्रांताओं ने जोर जबरदस्ती एवं मार काट मचाकर भारत के मूल नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनाया तो अंग्रेजों ने लालच का सहारा लेकर एवं दबाव बनाकर भारतीय नागरिकों को ईसाई बनाया। इन्होंने भारतीय नागरिकों के मन में सनातन हिंदू संस्कृति के प्रति घृणा पैदा की एवं अपनी पश्चिमी सभ्यता से ओतप्रोत संस्कृति को बेहतर बताया। अंग्रेज भारतीय नागरिकों के मन में ऐसा भाव पैदा करने में सफल रहे कि पश्चिम से चला कोई भी विचार भारतीय सनातन संस्कृति के विचार से बेहतर है। जबकि आज इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिल रहे हैं कि पश्चिम द्वारा किए गए लगभग समस्त आविष्कारों के मूल में भारतीय सनातन संस्कृति की ही छाप दिखाई देती है और उन्होंने यह विचार भारतीय वेद, पुराण एवं उपनिषदों से ही लिए गए प्रतीत होते हैं।

कुछ विदेशी ताकतों द्वारा भारत में आज एक बार पुनः इस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं कि हिंदू सनातन संस्कृति को मानने वाले हिंदू समाज को किस प्रकार आपस में लड़ाकर छिन्न भिन्न किया जाय। आज भारत में एक ऐसा विमर्श खड़ा करने का प्रयास हो रहा हैं कि देश में हिंदू हैं ही नहीं बल्कि सिक्ख हैं, दलित हैं, राजपूत हैं, जैन हैं आदि आदि। देश में जातियों के आधार पर जनसंख्या की मांग की जा रही है ताकि देश में प्रदान की जाने वाली समस्त सुविधाओं को हिंदू समाज की विभिन्न जातियों की जनसंख्या के आधार पर वितरित किया जा सके। जिससे अंततः देश में विभिन्न जातियों के बीच झगड़े पैदा हों और इस प्रकार भारत को एक बार पुनः गुलाम बनाए जाने में आसानी हो सके। विदेशी ताकतों द्वारा आज भारत के एकात्म समाज को टूटा फूटा समाज बनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्राचीन भारत में वनवासी थे, ग्रामवासी थे, नगरवासी थे, इस प्रकार त्रिस्तरीय समाज था। भारतीय समाज विभिन्न जातियों में बंटा हुआ था ही नहीं। यह अंग्रेजों का षड्यंत्र था कि भारत में उन्होंने समाज को बांटो और राज करो की नीति अपनाई थी। अन्यथा हिंदू समाज तो भारत में सदैव से एकात्म भाव से रहता आया है। किसी भी देश में क्रांति सत्ता से नहीं आती है बल्कि समाज द्वारा ही क्रांति की जाती है। जिस प्रकार का समाज होगा उसी प्रकार की सत्ता भी देश में स्थापित होगी। अतः किसी भी देश को विकास की राह पर जाने से रोकने के लिए उस देश की संस्कृति को ही समाप्त कर दो। ऐसा प्रयास आज पुनः विदेशी ताकतों द्वारा भारत में किया जा रहा है।

परंतु, अब एक बार पुनः भारत एक ऐसे खंडकाल में प्रवेश करता हुआ दिखाई दे रहा है जिसमें आगे आने वाले समय में विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भारत की तूती पूरे विश्व में बोलती हुई दिखाई देगी। ऐसे में कुछ देशों द्वारा भारत की आर्थिक प्रगति को विपरीत रूप से प्रभावित करने के लिए कई प्रकार की बाधाएं खड़ी किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। परंतु, देश में निवासरत लगभग 80 प्रतिशत आबादी हिंदू सनातन संस्कृति की अनुयायी है एवं हिंदू समाज में व्याप्त लगभग समस्त जातियों, मत, पंथों को मानने वाले नागरिकों में त्याग, तपस्या, देश प्रेम का भाव, स्व–समर्पण का भाव कूट कूट कर भरा है। इसी कारण से यह कहा भी जाता है कि केवल हिंदू जीवन दर्शन ही आज पूरे विश्व में शांति स्थापित करने में मददगार बन सकता है। भारतीय जीवन प्रणाली अपने आप में सर्व समावेशक है। हिंदू सनातन धर्म का अनुपालन करने वाले नागरिक पशु, पक्षी, वनस्पति, पहाड़, नदियों आदि में भी ईश तत्त्व का वास मानते हैं और उनकी पूजा भी करते हैं। हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में पला बढ़ा नागरिक अपने विचारों में सहिष्णु होता है तथा सभी जीवों में प्रभु का वास देखता है इसलिए वह हिंसा में बिल्कुल विश्वास नहीं करता है। इसी के चलते यह कहा जा रहा है कि विश्व के कई देशों में लगातार बढ़ रही हिंसा को नियंत्रित करने में हिंदू सनातन संस्कृति के अनुयायी ही सहायक हो सकते हैं। और फिर, हिंदू जीवन दर्शन का अंतिम ध्येय तो मोक्ष को प्राप्त करना है। इस अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से भी हिंदू सनातन संस्कृति के अनुयायी कोई भी काम आत्मविचार, मनन एवं चिंतन करने के उपरांत ही करता है। इस प्रकार, इनसे किसी भी जीव को दुखाने वाला कोई गल्त काम हो ही नहीं सकता है।

विश्व के कई देशों के बीच आज आपस में कई प्रकार की समस्याएं व्याप्त हैं, जिनके चलते वे आपस में लड़ रहे हैं एवं अपने नागरिकों को खो रहे हैं। यूक्रेन – रूस के बीच युद्ध एवं हमास – इजराईल के बीच युद्ध आज इस बात का प्रत्यक्ष उदाहरण है। बांग्लादेश में अशांति व्याप्त हो गई है। इसी प्रकार ब्रिटेन, फ्रान्स, जर्मनी, अमेरिका जैसे शांतिप्रिय देश भी आज विभिन्न प्रकार की समस्याओं से ग्रसित होते दिखाई दे रहे हैं। इसलिए, शांति स्थापित करने एवं आर्थिक विकास को गतिशील बनाए रखने के उद्देश्य से आज हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों को आज पूरे विश्व में फैलाने की महती आवश्यकता है।

आजादी के साथ विभाजन का दंश

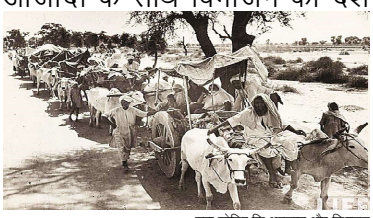

–आर.के. सिन्हा–

मनोज कुमार को सारा देश उनकी देशभक्ति से रची–बसी फिल्मों की मार्फत बखूबी जानता है। उन्होंने एक बार बताया था कि उनका परिवार जब देश के बंटवारे के बाद सरहद के उस पार से लूटा–पिटा 1947 में दिल्ली में आया तो उनके परिवार के कई सदस्य दंगाइयों के हमलों के कारण चोटग्रस्त थे। उनका छोटा भाई बीमार था। तब उन सबका इलाज सेंट स्टीफंस अस्पताल में हुआ था। उस दौर में दिल्ली जंक्शन, जिसे पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन भी कहा जाता है, में आ रहे शरणार्थियों को दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) के वालंटियर इलाज के लिए अपने सेंट स्टीफंस अस्पताल लेकर जा रहे थे या फिर सिविल लाइंस के ब्रदरहुड हाउस परिसर में शरण दे रहे थे। देश के बंटवारे के कारण पाकिस्तान से लाखों हिन्दू और सिख शरणार्थी दिल्ली आए थे। ये ज्यादातर दिल्ली जंक्शन पर ही आते थे। तब इनके पास नए शहर में खुले आसमान के अलावा कुछ नहीं होता था। उस भीषण दौर में दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी, राष्ट्र स्वंयसेवक संघ और कुछ सिख संगठनों के कार्यकर्ता ही शरणार्थियों को मदद दे रहे थे।

दरअसल भारत के लिए हरेक स्वाधीनता दिवस दो तरह की अनुभूतियां लेकर आता है। पहला, देश को ब्रिटिश सरकार के चंगुल से मुक्ति मिल गई। इसलिए उन तमाम स्वाधीनता सेनानियों के प्रति मन में अपार श्रद्धा का भाव पैदा होने लगता है, जिनके बलिदानों की वजह से गोरे यहां से गए। दूसरा, देश को 15 अगस्त 1947 को आजादी के साथ बंटवारे का दंश भी झेलना पड़ा। भारत दो भागों में बंट गया। उस दौर में राजधानी दिल्ली में लाखों हिन्दू और सिख शरणार्थी आ गए थे। तब दिल्ली जंक्शन पर आने वालों में मिल्खा सिंह भी थे। वे आगे चलकर महान धावक बने। देश के बंटवारे के समय इंसानियत मरी पड़ी थी। मिल्खा सिंह के माता–पिता का कत्ल कर दिया गया था। पर तब भी कुछ फरिश्ते तो मौजूद थे ही। वे उन्हें रेल के लेडीज कूपे में छिपाकर ले आए थे। वे अपनी बहन से बिछड़ गए थे। जरा सोचिए कि अनजान और विभाजन के कारण अस्त–व्यस्त शहर में मिल्खा सिंह अपनी दंगों के दौरान गुम हो गई बहन को कैसे खोज रहे होंगे। पर उन्होंने अपनी बहन को अंततः तलाश कर लिया था।

देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली विभाजन की घड़ी में उस समय , आज के मुकाबले एक छोटा सा शहर ही तो था । तब सेंट स्टीफंस अस्पताल की हेड डॉ. रूथ रोसवियर के नेतृत्व में यहां घायल और बीमार शरणार्थियों का इलाज हो रहा था। डॉ.रूथ ब्रिटिश नागरिक थीं। इस अस्पताल को दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी ने 1885 में खोला था। इसी ने सेंट स्टीफंस कॉलेज स्थापित किया था। अब इसने सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल भी खोला है।

दूसरी ओर देखें तो करोल बाग में डॉ. एन.सी.जोशी उस संकट के दौर में दिल्ली वालों की सेवा में जुटे रहते थे। करोल बाग में 1947 के दौरान जब दंगे भड़के तो उसके शिकार डॉ.जोशी भी हो गए थे। उधर, इरविन अस्पताल (अब लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल) के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ बनवारी लाल और उनके काबूल चंद वाल्मिकी जैसे मेहनती साथियों के द्वारा रोगियों का दर्द दूर किया जा रहा था। दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी के वर्कर बहुत से रोगियों को लेडी हार्डिंग मेडिकल अस्पताल भी इलाज के लिए लेकर जा रहे थे। तब तक नई दिल्ली एरिया का यह एकमात्र कायदे का अस्पताल था। उस दौर में इधर की प्रिंसिपल–डायरेक्टर डॉ. के.जे. मैक्डरमेट (1946– 1948) और डॉ. ओ.पी.बाली (1948–1950) की देखरेख में रोगियों की भीड़ का खुशी–खुशी इलाज हो रहा था। 1947 तक इधर की छात्राएं अपना सालाना इम्तिहान देनेके लिए लाहौर जाती थीं। उनका इम्तिहान किंग एडवर्ड मेडिकल कालेज में होता था। तब ये कॉलेज पंजाब यूनिवर्सिटी का हिस्सा था। इस बीच, दिल्ली वालों की सेवा करने में डॉ. विशम्भर दास भी थे। उन्होंने सन 1922 में नई दिल्ली एरिया में विशम्भर फ्री होम्पैथिक डिस्पेंसरी की स्थापना की और जीवनपर्यंत दीन–हीनों का इलाज करते रहे।

नीलगाय से फसल बचाने को खेत के तारबाड़ में दौड़ाया था करंट, तीन युवकों की दर्दनाक मौत

संवाददाता–कुशीनगर। खेत की फसल को नीलगाय से बचाने के लिए एक किसान ने तारबाड़ लगाई और उसमें करंट दौड़ा दिया। किसान का ऐसा करना मामा–भांजे समेत तीन युवकों के लिए जानलेवा हो गया। तारबाड़ के करंट की चपेट में आकर तीनों युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। पता चला है कि तीनों रात करीब दस बजे से ही घर से गायब थे। परिवारीजनों ने मंगलवार की सुबह रामकोला पुलिस को तहरीर देकर गायब युवकों को खोजने की गुहार लगायी। पुलिस ने गायब युवकों के मोबाइल नंबर सर्विलांस पर लगाया तब उनकी गांव के पास ही खेत में लोकेशन मिली। पुलिस पहुंचने के बाद ग्रामीणों की तीन लाशों पर नजर पड़ी तो गांव में कोहराम मच गया। मौके पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स पहुंच गई। हादसे के चलते गांववालों में गुस्स्सा फैल गया। किसी तरह समझाबुझाकर उन्हें शांत करने के साथ पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

भारी पुलिस बल के साथ पहुंचकर अफसरों ने भी स्थिति का जायजा लिया है। कुशीनगर के रामकोला थाना क्षेत्र के सुपहा महतो टोला में यह दुर्घटना हुई है। यहां के रहने वाले लहरी कुशवाहा पुत्र प्रभुनाथ कुशवाहा ने अपने घर के पीछे स्थित खेत में भिंडी– बोड़ा जैसी सब्जियों की खेती की है। गांववालों का कहना है कि फसलों को नीलगाय से बचाने के लिए उसने खेत के चारों ओर पतले तार से बाड़बंदी कर रखी है जिसमें घर से ही परिवार के लोग एक स्विच के जरिए करंट प्रवाहित कर देते थे। सोमवार की रात भी तार में करंट प्रवाहित किया गया था।

गांववालों ने पुलिस को बताया कि सन्नी शर्मा उर्फ राहुल (उम्र 20 वर्ष) पुत्र फूलबदन शर्मा निवासी कोटवा थाना कप्तानगंज अपनी ननिहाल में आया था। सन्नी, उसका मामा अमरजीत शर्मा उर्फ छद्दू (उम्र 30 वर्ष) पुत्र रामहरि शर्मा और इसी गांव का राकेश कुशवाहा (उम्र 22 वर्ष) पुत्र स्व ज्ञान कुशवाहा रात करीब दस बजे एक साथ निकले और गायब हो गए। रात भर ग्रामीणों ने उनकी तलाश की, मगर कोई खेतों की ओर नहीं गया।सुबह करीब साढ़े नौ बजे अमरजीत के भाई सुधीर ने रामकोला थाने पर पहुंच कर तीनों के गायब होने की सूचना दी। उन्होंने तीनों का मोबाइल नंबर भी पुलिस को दिया। पुलिस ने कुछ देर बाद मोबाइल नंबर को सर्विलांस के जरिए चेक किया तो उनकी लोकेशन गांव के पास खेत में मिली। रामकोला के प्रभारी निरीक्षक विनय सिंह दल बल के साथ लोकेशन चेक करते हुए मौके पर पहुंचे। ग्रामीण भी पुलिस के पीछे लहरी कुशवाहा के घर के पीछे स्थित सब्जी के खेत की ओर गए तो तीनों की लाश पड़ी थी। तीनों की मौत की सूचना पाकर मौके पर बड़ी संख्य्या में ग्रामीण जुट गए। उनमें घटना को लेकर गुस्स्सा फैलने लगा। पुलिस ने किसी तरह समझा बुझाकर ग्रामीणों को शांत कराया। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना की सूचना पाकर स्थिति का जायजा लेने एसपी संतोष मिश्र और एएसपी रितेश कुमार सिंह भी गांव में पहुंचे थे। पुलिस जब लहरी कुशवाहा के घर पहुंची तो वहां ताला बंद था। पूरा परिवार गायब था। ग्रामीणों ने बताया कि गायब युवकों को खोजते समय रात से सुबह तक खेतों की ओर कोई नहीं गया था। रात में उधर किसी का ध्यान ही नहीं गया। सुबह से ही बारिश हो रही थी।

नहर में उतराता मिला खरगूपुर के युवक का शव

संवाददाता–गोण्डा। इटियाथोक–खरगूपुर मार्ग पर शनिदेव मन्दिर के सामने मंगलवार को राहगीरों को सरयू नहर के माइनर में युवक का शव उतराता दिखा। देखते ही देखते आसपास के लोगों की मौके पर भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक इटियाथोक दुर्गविजय सिंह भी फोर्स के साथ पहुंच गए। काफी देर बाद युवक की शिनाख्त खरगूपुर के विवेक पांडेय के रूप में हुई। पुलिस ने आवश्यक लिखा–पढ़ी के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मंगलवार को सरयू नहर के माइनर में औंधे मुंह उतराती लाश देखकर सनसनी फैल गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बांस के सहारे माइनर से लाश को बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव की शिनाख्त के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की। मृतक की पहचान खरगूपुर निवासी तीस वर्षीय विवेक पांडेय पुत्र हनुमान प्रसाद पाण्डेय के रूप में हुई। युवक के भाई विष्णु पाण्डेय ने बताया उनका विवेक रविवार देर शाम को घर से कहीं बाहर जाने के लिए निकला था। परिजनों का कहना है कि युवक मानसिक रूप विक्षिप्त था। प्रभारी निरीक्षक इटियाथोक दुर्ग विजय सिंह ने बताया शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

युवती से दुष्कर्म केस में दो सगे भाई बरी, झूठा मुकदमा दर्ज कराने पर दर्ज होगा मुकदमा

संवाददाता–गोण्डा। युवती से सामूहिक दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के मामले में सुबूत न होने के चलते आरोपी भाइयों को कोर्ट ने बरी कर दिया। पॉक्सो एक्ट की विशेष अदालत ने झूठा केस दर्ज कराने के मामले में महिला वादी के खिलाफ केस दर्ज करने का आदेश दिया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार छपिया थाना क्षेत्र की निवासी एक 19 वर्षीय दलित बालिका ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर कहा कि शादी का झांसा देकर अनिल कुमार वर्मा उससे शारीरिक संबंध बनाता रहा है। शादी के नाम पर वह टालमटोल करता है। 16 जुलाई 2022 को दोपहर दो बजे जब उसने शादी के लिए दबाव बनाया तो वह नाराज हो गया और अपशब्द कहकर मारने लगा। इसी बीच उसका भाई सुनील कुमार वर्मा आ गया और उसने भी मारा। दोनों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

विवेचना के दौरान अपशब्द कहकर मारपीट, जाति से मारने की धमकी, दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट व एससी–एसटी एक्ट के अपराध का साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया लेकिन ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष न्यायालय में साक्ष्य नहीं प्रस्तुत कर सका तो बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने आरोपियों को दोषमुक्त करने की मांग की। मंगलवार को इस मामले में निर्णय सुनाते हुए विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) राजेश नारायण मणि त्रिपाठी ने आरोपी अभियुक्त अनिल व सुनील को दोषमुक्त कर दिया। अदालत ने आरोपी अभियुक्तों के विरुद्ध झूठी व फर्जी घटना बनाकर केस दर्ज कराने के संबंध में वादिनी युवती के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा 22 के तहत प्रकीर्ण दांडिक केस दर्ज करने का आदेश दिया है।

सो रहे थे घरवाले, पीछे से घुसे चोरों ने खंगाल लिया घर

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा क्षेत्र के ग्राम कोहड़वल में सोमवार की आधी रात के बाद चोर उस समय घर में पीछे से घुस गए जब सब लोग सो रहे थे। दुस्साहस दिखाते हुए चोरों ने आलमारी व बाक्स तोड़ उसमें रखे नगदी, जेवर व कीमती सामानों को चुरा लिया। इतना ही नहीं जाते समय बाक्स भी अपने साथ उठा ले गए। मंगलवार की सुबह घर वाले आलमारी टूटा देखे तो चोरी का आभास हुआ। फिर बाक्स गायब मिले। कुछ ही देर बाद घर से महज सौ मीटर दूरी पर दो टूटे बाक्स व बिखरे कपड़े मिले। चोरी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। पीड़ित ने तहरीर देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

कोहड़वल गांव में सोमवार की रात राममिलन साहनी के घर में पीछे के रास्ते चोर घुस गए। राममिलन की छोटी बहू सीमा अपने मायके में थी। चोरों ने सीमा के कमरे में घुसकर आलमारी का ताला तोड़ दिया। आलमारी में रखा चार हजार नगद, नथिया, बाली व कीमती साड़ियों के साथ सामानों को निकाल लिया। घर में रखे तीन बाक्स व बरामदे में सो रहे राममिलन का मोबाइल फोन भी चुरा लिया। घर से 100 मीटर दूर सीवान में एक पेड़ के नीचे बाक्स तोड़कर कीमती सामान लेकर चोर चम्पत हो गए।

मंगलवार की सुबह आलमारी टूटा देखकर परिजनों के होश उड़ गए। शोर सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा होकर तलाश करने लगे। कुछ ही देर में पेड़ के नीचे दो बाक्स, कुछ साड़ियां व सामान बिखरे मिले। एसओ धर्मेन्द्र सिंह का कहना है कि चोरी की तहरीर मिली है। मौके पर स्थलीय निरीक्षण के लिए पुलिस गई थी। मामले की जांच–पड़ताल की जा रही है।

सहायक शोध अधिकारी को तिरंगे झण्डे के साथ सौंपा नियुक्ति पत्र

संवाददाता–श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से विभिन्न पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को मंगलवार को लखनऊ में नियुक्ति–पत्र वितरित किए गए। जिसका सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। इसके साथ ही श्रावस्ती के लिए नवनियुक्त एकमात्र सहायक शोध अधिकारी सुरेश कुमार यादव निवासी गब्बापुर विकास खण्ड सिरसिया को तिरंगे झण्डे के साथ नियुक्ति पत्र दिया गया। इस अवसर पर विधायक राम फेरन पाण्डेय ने कहा कि देश एवं प्रदेश सरकार नवयुवकों व नवयुवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में रोजगार के अवसर खुल रहे हैं। प्रदेश सरकार की ओर से पारदर्शी एवं निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया को अपनाते हुए अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। जिससे सरकारी कार्यों के निष्पादन में और गति मिलेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से भर्ती की जा रही है। उन्होने नवनियुक्त सहायक शोध अधिकारी को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें सरकारी कर्मचारी के रूप में कार्य करने का अवसर मिला है। अपने कार्यकाल में छोटे–बड़े कार्यो का ठीक तरह से करते हुए कीर्तिमान स्थापित करें।

पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने पर पकड़ा गया 25 हजार का इनामी बदमाश

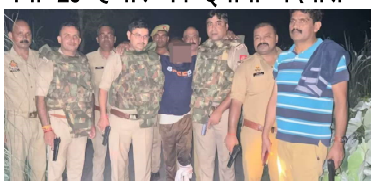

संवाददाता–कुशीनगर। जिले में अपराधियो पर पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। सोमवार की देर रविंद्र नगर थाना क्षेत्र में पुलिस की बदमाशो से फिर मुठभेड़ हुई। इसमें एक 25 हजार का इनामी बदमाश घायल होने के बाद पकड़ा गया है। वह शातिर चोर है और पुलिस की आंख में धूल झोंक कर जिले में सक्रिय था। जिला पुलिस की मीडिया सेल सैली जानकारी के अनुसार सोमवार की शाम से देर रात तक इनामी बदमाशो के रविंद्र नगर क्षेत्र में आने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना पर रविंद्र नगर के अलावा हाटा कोतवाली, तरया सुजान और साइबर थाने के प्रभारी निरीक्षक भी गणेशी पट्टी काली मंदिर के पर अपनी टीमों के साथ पहुंच गए। वाहनों की जांच शुरू कर दी। रात करीब एक बजे वहां से गुजरे बाइक सवार ने पुलिस के रोकने के बाद भी बाइक नही रोकी। पुलिस ने घेरा तो फायरिंग करने लगा। पुलिस की जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। उसकी पहचान 25 हजार के इनामी शातिर चोर बाला यादव पुत्र कन्हैया यादव निवासी लालगढ़ थाना जोगापट्टी जनपद पश्चिमी चम्पारण, बिहार के रूप में हुई है। तीन जिन्दा कारतूस, पाँच हजार रुपये नगद, चोरी की मोटरसाइकिल, एक बैग और चोरी के उपकरण (रिंच, पेचकस,पिलास, चाभी का गुच्छा) और एक मोबाइल बरामद किया है।

हाटा कोतवाल राजप्रकाश सिंह मय टीम, प्रभारी निरीक्षक तरयासुजान आशुतोष सिंह मय टीम, साइबर थाना के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार पन्त मय टीम और थानाध्यक्ष रविंद्र नगर विनय कुमार मिश्रा शामिल रहे।

प्यारो प्यारी को झुलावैं गावै रस भरी तान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मां सरयू के पावन तट पर स्थित सियाराम किला झुंकी घाट श्रावण मास में मां सरयू के कलरों से गुंजायमान हो रहा है और झूलन पर सज धज कर युगल सरकार बैठे हैं ऐसा मनोरम दृश्य मंत्रमुग्ध कर रहा है जैसे मां सरयू जगत के पालनहार युगल सरकार सीताराम जी को एकटक निहार रही हैं। वही श्री राम कथा के मर्मज्ञ प्रभंजनानद जी महाराज कि मंत्रमुग्ध कर देने वाली पद के गायन को सुनकर अयोध्या के संत महंत भाव विभोर हो रहे हैं। प्यारी झूलन फघारो झुकि आई बदरा, सजी भूषण बसन अखियन कजरा । प्यारो प्यारी को झुलावैं गावैं रस भरी तान, सियारामकिला झुंकी घाट के महंत करुणानिधान शरण जी के संयोजन में चल रहे झूला महोत्सव में युगल सरकार की जोड़ी हिंडोले में बैठकर आध्यात्मिक संगीत का आनंद ले रहे हैं और प्यारो–प्यारी को झुलावैं जैसे पदों को सुनकर श्रद्धालु और संत महंत भाव विभोर होकर के युगल सरकार को निहारने लगते हैं।जैसे–जसे पूर्णिमा तिथि नजदीक आ रही है अयोध्या के झूलनोत्सव का रंग और अधिक चटख हो गया है। लाखों श्रद्धालु अयोध्या के मन्दिरों में झूलन सरकार के झूलनोत्सव का दर्शन कर अपना जीवन धन्य बना रहे हैं। मां के तट पर विराजमान सियाराम किला में सायंकाल से लेकर देररात्रि तक श्रद्धालुगण भगवान के झूलन झांकी का दर्शन करने को आतुर हैं।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार के खिलाफ निकाला जुलूस, नारेबाजी

संवाददाता–महराजगंज। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार और देवी–देवताओं के अपमान के खिलाफ लोग मुखर हो रहे हैं। लक्ष्मीपुर स्थित श्रीराम जानकी मंदिर बाबा बालक दास कुटी से मंगलवार को लोगों ने विरोध जुलूस निकाला। बांग्लादेश के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कड़ा कदम उठाने की मांग की।

बांग्लादेश में हिन्दुओं के लगातार हो रहे उत्पीड़न के विरोध में श्रीराम जानकी मंदिर बाबा बालक दास कुटी से दर्जनों वाहनों व पैदल जुलूस की शक्ल में निकले लोग एकमा गांव से होते हुए फिर मंदिर पर वापस आए। इस पूरे दौरान बांग्लादेश के खिलाफ जमकर नारेबाजी की जाती रही। वक्ताओं ने कहा कि इस समय बांग्लादेश में हिन्दू परिवारों पर लगातार अत्याचार हो रहा है। देवी–देवताओं की मूर्तियों को खंडित कर सनातन धर्म का अपमान किया जा रहा है। जुलूस में लोगों ने सनातन धर्म का अपमान, नहीं सहेगा हिन्दुस्तान का नारा लगाए। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को बुलंद करते हुए कार्रवाई की जरूरत जताई। इस दौरान चन्द्रमुनि पाण्डेय, बृजेश राय, दुर्गाशंकर शुक्ल, सुनील यादव, गिरजेश राय, आचार्य शिवाजी शर्मा, दुर्गा अग्रहरि, रवि पाण्डेय, अमित मिश्रा, अरुण पाण्डेय, बिट्टू, राहुल, रितिक राय, राजेश वर्मा, बबलू यादव, शिवप्रकाश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सेवा के प्रतिमूर्ति हैं गोविंद आश्रम के महंत वीरेंद्र दास

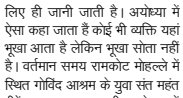

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्म स्थाली त्याग तपस्या वैराग्य के लिए युगों–युगों से जानी जाती है और समय–समय पर सेवा का नया कीर्तिमान स्थापित करने वाले संत भी यहां होते रहे हैं और यह नगरी सेवा के लिए ही जानी जाती है। अयोध्या में ऐसा कहा जाता हैं कोई भी व्यक्ति यहां भूखा आता है लेकिन भूखा सोता नहीं है। वर्तमान समय रामकोट मोहल्ले में स्थित गोविंद आश्रम के युवा संत महंत वीरेंद्र दास महाराज भी अयोध्या में आने श्रद्धालुओं की सेवा अतिथि देवो भव की भावना से करते हैं और उनका मानना है कि हम सबके आराध्य प्रभु श्री राम के भरण पोषण की जिम्मेदारी श्री भरत जी को सौंपी है और भरत जी महाराज निरंतर सेवा में लगे रहते है। उन्होंने बताया कि श्रीधाम अयोध्या में कोई भी व्यक्ति भूखा आ सकता है लेकिन भूखा सोता नहीं है, कलयुग में अयोध्या के राजा श्री हनुमान जी सबकी व्यवस्था बना कर रखते है। श्री महाराज जी ने बताया कि गोविंद आश्रम सेवा में कभी पीछे नहीं रहा है हमेशा सेवा करता रहता है मैं भी हनुमान जी महाराज के आशीर्वाद से निरंतर सेवा करता रहता हूं उन्होंने कहा कि पूरे सावन महीने आश्रम में संतो की सेवा के साथ–साथ आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा की गई है वर्तमान समय में श्रवण मेला चल रहा है जिसमें लाखों श्रद्धालु अयोध्या में आ रहे हैं प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है इसलिए सेवा भी निरंतर चलती रहे ऐसा प्रयास किया जा रहा है।

गोविंद आश्रम में सदियों से सेवा की जब देश कोरोना कल में था तब भी युवा महंत द्वारा सेवा की गई थी और प्राण प्रतिष्ठा के समय भी वीरेंद्र दास महाराज ने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सेवा की व्यवस्था की थी ऐसे में यह कहा जाए अयोध्या त्याग तपस्या बैरागी के साथ सेवा के लिए जानी जाती हैं तो अतिसंयोक्ति नहीं होगी।

अधिवक्ताओं ने खोला मोर्चा

संवाददाता–गोण्डा। विवादित भूमि पर हाईकोर्ट के स्थगन आदेश के बावजूद छप्पर रखने तथा पुलिस–प्रशासन द्वारा डीएम के मौखिक आदेश पर कार्रवाई न करने पर तहसील के अधिवक्ताओं ने अनिश्चतकालीन हड़ताल करने का ऐलान किया है।

उन्होंने समस्या का समाधान न होने तक आंदोलन की बात कही है। मंगलवार दोपहर में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष जेपी तिवारी व मंत्री अजय कुमार शुक्ल की अगुवाई में एसडीएम चौम्बर के सामने सभी पदाधिकारियों व सदस्यों की हंगामेदार बैठक हुई। इसमें हुए फैसले के बाद डीएम नेहा शर्मा के साथ सम्पूर्ण समाधान दिवस के दिन हुई वार्ता के क्रम में तहसील प्रशासन व पुलिस प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही न किये जाने से आक्रोशित अधिवक्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए मोर्चा खोल दिया। देखते ही देखते सभी अधिकारियों के कमरों में तालाबंदी हो गयी। यही नहीं बार एसोसिएशन की खुली बैठक में बुधवार से कार्य बहिष्कार करने का निर्णय लिया गया। घंटो अधिवक्ताओं ने तहसील व पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

हर घर पर हो तिरंगा, भारत बने विश्वगुरु– राम फेरन

संवाददाता–श्रावस्ती। भारतीय जनता पार्टी की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मंगलवार को श्रावस्ती विधानसभा में युवा मोर्चा के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गयी। तिरंगा यात्रा में जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी, विधायक श्रावस्ती राम फेरन पाण्डेय सहित पदाधिकारी व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। भारतीय जनता पार्टी की ओर से हर घर तिरंगा अभियान के तहत विधानसभाओं में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष हरिओम तिवारी की अध्यक्षता में श्रावस्ती विधानसभा की तिरंगा यात्रा इकौना क्षेत्र के सीताद्वार मन्दिर से निकली। तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्रावस्ती राम फेरन पाण्डेय तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। इस दौरान विधायक श्रावस्ती राम फेरन पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हर घर तिरंगा अभियान शुरू किया गया है। घर–घर तिरंगा लहराकर हमें स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति नमन की भावना रखनी चाहिए। तिरंगा हमें राष्ट्र के प्रति समर्पित और राष्ट्र सेवा की भावना को बताता है। इसलिए हमारा फर्ज है कि हम तिरंगे की आन बान शान के लिए किसी भी प्रकार का समझौता न करें। जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का प्रयास है।

उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देश की आन बान शान के लिए कुर्बान होने वालों को नमन करने का मौका देता है। तिरंगा यात्रा की सीताद्वार से शुरूआत होकर इकौना में बाजार में समापन हुआ। तिरंगा यात्रा में प्रेम सिंह नायक, अजय वर्मा, राना प्रताप सिंह, अरुण पाण्डेय, आशुतोष पाण्डेय, अभिषेक पाण्डेय, बिन्नू तिवारी, मनोज दूबे, पुष्कर तिवारी, सतीश जायसवाल, राकेश सिंह, उमेश अवस्थी, रमेश यादव मंटू सहित भारी संख्या में दुपहिया वाहनों के साथ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत कोइलसा विकास खण्ड सल्टौआ गोपालपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 14.08.2024 से 19.08.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 20.08.2024 सायं 1:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–सुभावती देवी
ग्राम पंचायत-कोइलसा
विकास खण्ड-सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.–शिवशंकर यादव
ग्राम पंचायत-कोइलसा
विकास खण्ड-सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /13.08.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय–नगर पालिका परिषद बस्ती

पत्रांक 2641A /स्व0 अधि0/न0पा0प0ब0/2024–25/ दिनांक 13.08.2024

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मा0 उच्चतम न्यायालय में दाखिल रिट याचिका संख्या–324 आफ 2020 डा. बलराम सिंह बनाम यूनियन आफ इण्डिया में पारित आदेश दिनांक 20.10.2023 के अनुपालन के क्रम में निर्देशक स्थानीय निकाय निदेशालय, गोमती नगर विस्तार–7 लखनऊ उ.प्र. के कार्यालय पत्रांक संख्या 4/805/स्व. शौ/2022–23 लखनऊ दिनांक 10.07.2024 एवं पत्रांक संख्या 4/985/ स्व.शौ /2022–23. लखनऊ दिनांक 01–08–2024 द्वारा प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में मैनुवल स्कैवेंजरों एवं अस्वच्छ शौचालय का सर्वेक्षण नगर पालिका परिषद बस्ती सीमान्तर्गत स्थित समस्त 25 वार्डों में किया जा रहा है।

अत कोई भी सर्वसाधारण दिनांक 25–08–2024 तक कार्यालय नगर पालिका परिषद बस्ती में उपस्थित होकर या श्री दिनेश कुमार वर्मा सफाई निरीक्षक मोबाइल न0 7508046970 से सम्पर्क कर अस्वच्छ शौचालयों तथा मैनुवल स्कैवेंजरों की सुचना दे सकता है। जिससे नियमानुसार सर्वेक्षण चिन्हीकरण का कार्य पूर्ण किया जा सकें।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बस्ती

पत्रांक 2641A /स्व0 अधि0/न0पा0प0ब0/2024–25/ दिनांक 13.08.2024

डेंगू के दो नए मरीज मिले, 13 हुई संख्या

संवाददाता–गोरखपुर। जिले में डेंगू एक बार फिर से पांव पसारने लगा है। बीआरडी मेडिकल कालेज में डेंगू के दो नए मरीज मिले हैं। जिनमें से एक गोरखपुर व एक सिद्धार्थनगर का है। रैपिड जांच के लिए बनी एनएस–वन किट से पुष्टि हुई है। बताया जाता है एलाइजा जांच के लिए सैम्पल को बीआरडी मेडिकल कालेज के माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग में भेजा गया है। जनवरी से अब तक गोरखपुर जिले के 13 लोग डेंगू की चपेट में आ चुके हैं, जिनमें से पांच बीआरडी मेडिकल कॉलेज में, दो जिला अस्पताल में और दो प्राइवेट अस्पताल में मिले हैं। इसके अलावा तीन लखनऊ व एक की पुष्टि वाराणसी में हुई है। दो दिन पहले गोरखपुर व सिद्धार्थनगर में एक–एक केस संदिग्ध मिले थे। इनकी जांच के लिए सैंपल बीआरडी मेडिकल कॉलेज भेजा गया था। वहां हुई जांच में भी डेंगू की पुष्टि हुई है। हालांकि, अभी इनका विवरण स्वास्थ्य विभाग के पोर्टल पर अपडेट नहीं किया गया है। पूर्वांचल में डेंगू के केस दूसरे राज्यों से होकर ही आते हैं। इस बार भी शुरुआत हो चुकी है। जिला मलेरिया अधिकारी अंगद सिंह ने बताया कि दो लोगों के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में जांच के दौरान डेंगू संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इनमें से एक केस सिद्धार्थनगर का है। पता लगाकर वहां जरूरी सुरक्षात्मक कार्रवाई की जाएगी। दोनों की ट्रैवेल हिस्ट्री पता की जा रही है। जिले में 12 से लेकर 18 अगस्त तक चलने वाले डेंगू नियंत्रण सप्ताह के अंतर्गत हर वार्ड की विधिवत सफाई होगी। टीमें घर–घर जाकर लार्वा की तलाश करेंगी। इसके लिए सोमवर को नगर निगम परिसर से महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने सफाई वाली गाड़ियों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। जिला मलेरिया अधिकारी अंगद सिंह ने बताया कि कमिश्नर, अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और सीएमओ की मौजूदगी में वाहनों को हरी झंडी दिखाई गई। इस अवसर पर मेयर ने कहा कि डेंगू रोधी सप्ताह के दौरान सभी 80 वार्डों में सफाईकर्मी घर–घर जाकर सफाई के अलावा डेंगू रोग से बचाव, सावधानियां जांच आदि की जानकारी देंगे। इसके अलावा घर में कहीं भी पानी एकत्र नहीं होने देने व सफाई के विषय में अवगत कराएंगे। इस दौरान मंडलीय नोडल डॉ. वीके श्रीवास्तव मौजूद रहे।

कठिनइया नदी पर डीसीएम व बस भिड़ी बाल–बाल बचे यात्री

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के खलीलाबाद कोतवाली थाना क्षेत्र के कांटे–मुंडेरवा मार्ग पर कठिनईया नदी पर मंगलवार को डीसीएम और बस आपस में टकरा गई। घटना के बाद बस में सवार यात्री चीखने–चिल्लाने लगे चौराहे पर मौजूद लोगों ने घटनास्थल पर पहुंचकर सभी यात्रियों को बाहर निकाले गनीमत रही घटना में किसी यात्री को चोट नहीं लगी सभी यात्री सलामत रहे। कांटे चौकी क्षेत्र के बूा खुर्द स्थित कठिनइयां नदी पर मंगलवार को डीसीएम और एक बस दोनों वाहन बूधा मोड़ पर पहुंचे थे। इसी दौरान बस्ती की तरफ से आ रही उन्नाव डिपो की बस डीसीएम से टकरा गई। दुर्घटना के बाद यात्रियों में चीख–पुकार मच गई। राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। कांटे चौकी पर तैनात पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से बस पर सवार यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। बूधा खुर्द में कठिनईया नदी पर एल टाइप का मोड़ होने से अक्सर इस तरह की घटनाएं हो जाती हैं।

बदमाशों के हमले में घायल महिला की मेडिकल कालेज में मौत

संवाददाता–गोरखपुर। झंगहा इलाके में बदमाशों के हमले में घायल महिला ने मेडिकल कालेज में दम तोड दिया है। उसके होश में आने का पुलिस इंतजार कर रही थी पर बिना होश में आए ही उसकी मौत हो गई और बदमाशों के बारे में पुलिस को कोई सुराग नहीं मिल पाई।

बसुही गांव के उपधौलिया टोला पर रहेन वाले सेवा प्रसाद की 32 वर्षीय बेटी ममता की शादी संतकबीनगर जिले के भिउषा गांव में रहने वाले बजरंगी से हुई थी। तीन माह पहले पति मजदूरी करने बाहर चला गया था। ममता अपने तीन बच्चों के साथ मायके चली आयी। रविवार रात तीनों बच्चों संग घर के बरामदे में सोयी थी। रात में 12 बजे पहुंचे बदमाश ने ममता के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर परिवार के लोग पहुंचे तो खून से लथपथ ममता बरामदे में फर्श पर पड़ी थी। घटना की जानकारी गीडा में रहकर मजदूरी करने वाले पिता सेवा प्रसाद के साथ ही झंगहा थाना पुलिस को दी। एसपी उत्तरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बीआरडी मेडिकल कालेज में भर्ती महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई है। सर्विलांस की मदद से झंगहा थाना पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीम उसके हमलावरों की छानबीन कर रही है। जल्द ही हमलावर को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

निपुण भारत मिशन प्रशिक्षण में बताया बच्चों में अपेक्षित योग्यता का तरीका

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया बीआरसी सभागार में चल रहे प्राथमिक शिक्षकों के चार दिवसीय निपुण भारत मिशन प्रशिक्षण के दूसरे दिन मंगलवार को बच्चों में पढ़ने – लिखने और संख्या ज्ञान में अपेक्षित योग्यता हासिल करने के तरीके बताए गए। एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह, उमेश सिंह, उदय प्रताप सिंह, संदीप सिंह और सुनील बौद्ध द्वारा आकलन और रीमिडियल कार्य को समझना, कक्षा – कक्षीय प्रक्रियाओं में आने वाली चुनौतियां और ध्यान देने योग्य बातें, भाषा का समेकन, गणित के प्रशिक्षण का उद्देश्य, निपुण उद्देश्य और सीखने के प्रतिफल, गणित की नवीन पुस्तकों की समझ समझ, एनसीईआरटी आधारित पाठ्यपुस्तकों के पाठों को समझना आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। खण्ड शिक्षा अधिकारी बड़कळ वर्मा ने बताया कि यह चार दिवसीय प्रशिक्षण प्राथमिक विद्यालयों के सभी शिक्षकों और शिक्षामित्रों को 50–50 के बैच में दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण में विवेक कान्त पाण्डेय, मनीष पाण्डेय, वैभव मिश्र, प्रवीण सिंह, आशीष सिंह, मनोज कुमार मिश्र, प्रमोद ओझा, अजीत वर्मा, अमित मिश्र, लाल महेश गौर्य, अवनीश ओझा, राजन सिंह, आदित्य सिंह, अनिल कुमार, धर्मेन्द्र मिश्र, विजय चौधरी, महेश चौधरी, आदर्श श्रीवास्तव, राम भवन, आकांक्षा सिंह, पूर्णिमा पाण्डेय, ज्योति सिंह, तान्या सिंह, वन्दना वर्मा, कविता गुप्ता, पूजा पाठक, शिल्पी गुप्ता, स्नेहलता सिंह, उमा पाण्डेय, वीना कुमारी, शाहिदा खातून आदि उपस्थित रहे।

सपा के युवा संगठनों ने बनाये सदस्यः जारी है अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर मंगलवार को भी मुलायम सिंह यूथ विग्रेड के जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव, समाजवादी पार्टी छात्र सभा जिलाध्यक्ष अजय यादव के संयोजन में शहर के दरियां खां में सदस्यता अभियान चलाया गया। 80 से अधिक लोगों ने सदस्यता लिया।

सदस्यता अभियान में लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष रहमान सिद्दीकी, मुलायम सिंह यूथ विग्रेड के महासचिव मो. हारिश, युवजन सभा जिलाध्यक्ष विपिन त्रिपाठी आदि ने योगदान दिया। सपा के फ्रन्टल संगठनों का चरणबद्ध ढंग से कार्यक्रम 31 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रमों के साथ जारी रहेगा।

कार्यक्रम में सपा उपाध्यक्ष राम सिंह यादव, जमील अहमद, अरविन्द सोनकर, युनूस आलम मुलायम सिंह यूथ विग्रेड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहन गंगवार, मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल सिंह, सचिव प्रेमचन्द सोनी, उपेन्द्र कन्नौजिया आदि ने सदस्यता अभियान में सहयोग किया। कहा कि फ्रन्टल संगठनों के पदाधिकारी सपा के नीति और कार्यक्रमों से लोगों को जोड़ने का अभियान चरणबद्ध ढंग से जारी रखे। वक्ताओं ने कहा कि राजनीतिक, सामाजिक परिवर्तन का दायित्व युवाओं के कंधे पर है। प्रदेश नेतृत्व द्वारा संगोष्ठी, पीडीए पौधरोपण के साथ ही जो कार्यक्रम दिये गये हैं उसे पूरी तन्मयता से पूरा किया जा रहा है। युवा छात्र संघ बहाली के लिये रचनात्मक आन्दोलन के साथ ही पेपर लीक, मंहगी होती शिक्षा आदि के सवालों को लेकर संघर्ष तेज किया जायेगा।

सदस्यता अभियान में मुख्य रूप से आयुष पाण्डेय, दिनेश कुमार, प्रशान्त यादव, नईम खां के साथ ही फ्रन्टल संगठनों के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

जूनियर डॉक्टरों ने मरीज व तीमारदारों को पीटा

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर बीआरडी मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को मरीजों और तीमारदार के बीच मारपीट हो गई। आरोप है कि बस्ती की सावित्री को सांप काटने के बाद परिजनों ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया था। इस दौरान किसी बात को लेकर जूनियर डॉक्टरों और मरीज के तीमारदारों के बीच कहासुनी हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि जेआर लोगों ने मिलकर परिजनों की पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान मरीज को भी नहीं छोड़ा। उसके साथ उसके भाई और बहन की भी पिटाई कर दी। इस दौरान पुलिस ने मौके पर पहुंच तीमारदारों को बचाया।

किशोरी से दुष्कर्म का आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र की एक किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले गया और दुष्कर्म किया था। पीड़िता की मां के तहरीर पर गुलरिहा पुलिस ने आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश कर रही थी। मंगलवार की सुबह आरोपित युवक विकास यादव निवासी मंगलपुर टोला बड़ी कोईलहिया से गिरफ्तार कर दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट की धारा बढ़ाते हुए न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

आदर्श नगर पंचायत चयन पर साझा किया खुशियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। आदर्श नगर पंचायत चयन पर सफाई नायकों और कर्मियों ने आज कार्यालय पर खुशी का इजहार किया। पहली बार कार्यालय पहुंची नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए सभी ने लड्डू खिला कर उनका स्वागत किया। गत दिनों जैसे ही यह खबर मिली कि बस्ती की नगर पंचायत नगर को प्रदेश की 20 नगर निकायों में शामिल कर पं० दीन दयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना में शासन द्वारा चयन कर लिया गया है कर्मियों में प्रसन्नता की लहर दौड़ गई। सभी ने एक दूसरे को बधाई देते हुए प्रदेश स्तर पर नगर पंचायत का सम्मान बढ़ाने के लिए चेयरमैन नीलम सिंह राना का आभार जताया।

इस अवसर पर अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि नगर पंचायत में सेवा और विकास की एक सुनियोजित शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि शासन ने नगर को आदर्श नगर पंचायत घोषित किया है लेकिन जनता की कसौटी पर आदर्श प्रस्तुत करना बड़ा लक्ष्य है पूर्व ब्लॉक प्रमुख समाजसेवी राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि जनहित को सर्वोपरि मानकर सभी को अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत नगर को देश के नक्शे पर स्थापित करना हम सभी का उद्देश्य है। सभासद राजेश पाण्डेय, संजय सोनकर, राज कुमार चौधरी ने भी अध्यक्ष को बधाई देते हुए कहा कि यह गौरवपूर्ण क्षण नगर पंचायत के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा।

युवती पर पति को ब्लैकमेल करने का आरोप

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला शिवाजी नगर इत्तिफातगंज रोड निवासिनी किरन यादव पत्नी सतीश यादव ने पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। महिला ने पत्र में कहा है कि बगल में किराए पर निवास कर रही एक युवती उसके पति का उत्पीड़न कर ब्लैकमेल कर रही है। महिला ने कहा कि उसके जेठ के मकान में एक युवती किराए पर निवास कर रही थी। चार माह पूर्व वह कमरा छोड़कर पटेलनगर में रहने लगी। उक्त युवती ने उसके पति को प्रेमजाल में फंसा लिया। गत सात अगस्त को घर पर पहुंचकर तांडव शुरू कर दिया और 112 नम्बर काल कर बुला लिया। इस दौरान महिला के साथ दो अज्ञात लोग भी मौजूद थे जो उसके पति को जेल भेजवाने की धमकी दे रहे थे।

जातिगत जनगणना कराने, बुद्धिष्ट स्थलों के सुरक्षा की मांग, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने जाति आधारित जनगणना कराये जाने सहित 9 मुद्दों और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रेमनन्दबंशी ने विश्वविद्यालय में मनुस्मृति पढाये जाने और भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा बुद्धिष्ट स्थलों को संरक्षित न किये जाने, नाजायज कब्जा हटवाये जाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा।

राष्ट्रपति को भेजे दो संयुक्त ज्ञापन में जाति आधारित जन गणना कराये जाने, ओबीसी को 52 प्रतिशत आरक्षण दिये जाने, पर्याप्त बजट देने, रिजर्वेशन इम्पलीमेंटेशन एक्ट बनाने, निजी क्षेत्र में आरक्षण, एमएसपी गारण्टी लागू किये जाने और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा द्वारा भेजे ज्ञापन में पुरातत्व विभाग के पास कुशीनगर, श्रावस्ती, सारनाथ आदि स्थानों पर बुद्धिष्ट स्थलों से अवैध कब्जा हटवाकर उसकी सुरक्षा किये जाने आदि की मांग को शामिल है। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से भन्ते प्रज्ञानन्द, हृदय गौतम, बुद्धेश राना, सुग्रीव चौधरी, रामकेश, प्रहलाद गौतम, चन्द्रप्रकाश गौतम, कालमणि शर्मा, बाबा ठाकुर, पंचलाल आदि शामिल रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान षष्टम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 1013/1995
राम जियावन
बनाम
रामकेवल आदि

1. मनीष कुमार 2. रजनीश कुमार 3. अवनीश कुमार पुत्रगण प्रेमकिशोर लाल 4. श्रीमती शान्ती देवी विधवा पत्नी प्रेमकिशोर लाल साकिनान मौजा मरवटिया तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 5. बबुन्ने 6. अभिषेक उर्फ पुन्नू पुत्रगण मनबहाल साकिनान मौजा एकेडगीखुर्द तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–10–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 15 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 129/2023
मनीता चौधरी–सायल
1. मनीता चौधरी पुत्री स्व0 लालमणि चौधरी पत्नी भूमिधर चौधरी 2. मनीषा चौधरी पुत्री स्व0 लालमणि चौधरी पत्नी राजेश चौधरी साकिनान मौजा धमौरा पोस्ट पुर्सिया तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 11–09–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 11–09–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 327/2007
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
भारतीय स्टेट बैंक
बनाम
राम मिलन सिंह उर्फ मुन्ना सिंह 1/1 श्रीमती कुसुम सिंह पत्नी स्व0 राममिलन सिंह उर्फ मुन्ना सिंह 1/2 श्री मनोज सिंह 1/3 श्री जोगेश्वर सिंह पुत्रगण स्व0 राममिलन सिंह उर्फ मुन्ना सिंह 1/4 श्रीमती रेनू सिंह 1/5 श्रीमती रीना सिंह पुत्रीगण स्व0 राममिलन सिंह उर्फ मुन्ना सिंह 1/6 सामरथी देवी पत्नी स्व0 राम शंकर सिंह निवासीगण मौजा ग्राम व पो0 कटया तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 24–09–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 24 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्णवाद संख्या 21/2024
न्यायालय–सिविल जज (जू0डि0) बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
जगदीश
बनाम
सरकार

1. रामजीत पुत्र धनई साकिन भरौली तप्पा असनार परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 06–09–2024

अपने को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि जगदीश ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 09 के 06 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज जू0डि0 बांसी में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2024 के 08 के 12 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 875/2022
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)महोदय बस्ती जिला–बस्ती
राम अवतार आदि
बनाम
पुजारी आदि

1. पुजारी उम्र 60 वर्ष पुत्र पंचम कथित नाम शिवपूजन पुत्र दत्ता निवासी ग्राम उमरिया गोप्तार सिंह तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. शीला उर्फ विमला उम्र 48 वर्ष पत्नी स्व0 परसू 3/1 श्रीमती गंगादेई उम्र 60 वर्ष 3/2 मंजीत उम्र 35 वर्ष 3/3 राजू उम्र 30 वर्ष 3/4 कु0 संदीपा उम्र 22 वर्ष 3/5 कु0 सीमा उम्र 15 वर्ष नावालिग पुत्र व पुत्रीगण ठाकुर प्रसाद साकिन तेनुआ तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 25–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नं0मु0–/2023
T 202417140300537
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती सुगिया
बनाम
सुरेन्द्र कुमार आदि

1. सुरेन्द्र कुमार 2. राजेन्द्र कुमार पुत्रगण विश्वनाथ 3. लालजी पुत्र रामदीन 4. संजय पुत्र मुन्नर 5. शोहरता देवी पत्नी मुन्नर 6. मुकेश पुत्र राम प्रकाश 7. निन्नू पुत्र बद्री 8. शोभा लाल पुत्र रामलाल 9. श्रीमती कलावती पत्नी रामप्रकाश साकिनान मौजा बस्ती खास मोहल्ला चईयाबारी तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 10. सरकार उत्तर प्रदेश जरिये जिलाधिकारी महोदय बस्ती

तारीख पेशी 23–08–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 1077/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)महोदय बस्ती जिला–बस्ती
महेश कुमार
बनाम
श्रीमती नीलम सिंह

1. श्रीमती नीलम सिंह उम्र 50 वर्ष पत्नी राजपति सिंह धर्मपुर तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 25–09–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

बैंक कर्मियों को वर्ष 1993 के प्रभाव से पेंशन मिलेंगी

संवाददाता–गोरखपुर। यूनाइटेड फोरम ऑफ ग्रामीण बैंक यूनियन्स के राष्ट्रीय संयोजक डीएन त्रिवेदी ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के निर्णय से ग्रामीण बैंक के 60 हजार पेंशनर्स और 12 हजार फैमिली पेंशनर्स लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि 72 हजार ग्रामीण बैंक कर्मियों को नवम्बर 1993 के प्रभाव से पेंशन मिलेंगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण बैंक कर्मी पांच दशक से भेदभाव के शिकार होते रहे हैं। ग्रामीण बैंक की स्थापना 1975 में हुई, परन्तु प्रायोजक व्यावसायिक बैंक के समान वेतन भत्ता सितंबर 1987 से मिला। व्यावसायिक बैंकों में पेंशन नवम्बर 1993 में लागू हो गई परन्तु ग्रामीण बैंक में लागू नहीं किया गया। वर्ष 2018 में उच्चतम न्यायालय ने ग्रामीण बैंक कर्मियों को राष्ट्रीयकृत व्यावसायिक बैंकों के समरूप पेंशन देने का भारत सरकार को आदेश दिया।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील संख्या C 20171700213
अदालत–श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रामउजागिर आदि
बनाम
श्रीमती अजीबुन्निशा आदि
1. बंशबहादुर 2. जीत बहादुर पुत्रगण रामदेव 3. अतहर हुसेन 4. आफताब आलम पुत्रगण कयूम निवासीगण मौजा करमा तप्पा कोचरी परगना महुली पूरव तहसील धनघटा जिला संतकबीरनगर उ0प्र0

तारीख पेशी 10–09–2024

अपील बनराजी अदालत उप जिलाधिकारी धनघटा मुकाम मयरिखा 26 महीना 04 सन् 2017 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 10 महीना 09 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 12 माह 08 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com